<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर में पूर्व विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित

पंतनगर। १३ मई, २०१७। पंतनगर विश्वविद्यालय में स्थापित एल्यूमिनी एलमामेटर एडवांसमेंट एसोसिएशन (४ए), पंतनगर, द्वारा आज विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। सम्मानित पूर्व विद्यार्थियों से वर्ष १९६१ बैच के डा. ब्रह्मा सिंह, आई. डी. ३४१, को लाइफ टाईम एचीवमेंट अवार्ड; वर्ष १९७३ बैच के डा. के. एम. एल. पाठक, आई. डी. ६८१३, को पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान महाविद्यालय के आउटस्टैंडिंग एल्युमिनी का अवार्ड; तथा डा. सुनित कुमार सिंह को मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय का आउटस्टैंडिंग एल्युमिनी का अवार्ड प्रदान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यवाहक कुलपति एवं ४ए के पदेन अध्यक्ष, डा. पी. शर्मा, द्वारा की गई। उन्होंने पुराने विद्यार्थियों को सम्मान प्राप्ति हेतु बधाईयां तथा वर्तमान विद्यार्थियों को आर्शीवचन दिया। कार्यक्रम में डा. जी. के. गर्ग, पूर्व छात्र एवं उपाध्यक्ष-।, ४ए; डा. जे. पी. मिश्रा, पूर्व छात्र एवं उपाध्यक्ष-।।, ४ए; डा. बी.बी. सिंह, पूर्व छात्र; डा. एस. एन. मौर्या, पूर्व छात्र एवं सदस्य ४ए; विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता विद्यार्थी कल्याण, डा एस. पी. सिंह, एवं विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, संकाय सदस्य तथा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी सम्मिलित हुए। अवार्ड प्राप्त कर्ता डा. ब्रह्मा सिंह, डा. के.एल.एम. पाठक एवं डा. सुमित कुमार के साथ-साथ डा. बी. बी. सिंह, डा. जे. पी. मिश्रा, डा. जी.के. गर्ग एवं डा. एस. पी. सिंह द्वारा वर्तमान विद्यार्थियों तथा ग्रेजुएटिंग विद्यार्थियों को संबोधित किया गया। कार्यक्रम में गणमान्य अतिथियों द्वारा अवार्ड कार्यक्रम पर ४ए, पंतनगर, द्वारा तैयार विशेष बुकलेट का विमोचन किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में ४ए पंतनगर की संयुक्त सचिव-cc एवं एफ. आर. एम. विभाग की विभागाध्यक्ष, डा. दीपा विनय, द्वारा स्वागत भाषण तथा मुख्य संयोजिका एवं सचिव तथा प्रोफेसर एग्रोनामी, डा. सुनीता टी. पाण्डेय, द्वारा ४ए, पंतनगर, का संक्षिप्त परिचय दिया गया। अंत में डा. एम. ए. अंसारी, प्राध्यापक, कृषि संचार विभाग, द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय की वर्तमान बी. एससी. कृषि की द्वितीय वर्ष की छात्रा, कुमारी इला बिष्ट, द्वारा किया गया।